

ऐरावत पर श्रीराम, सड़कों पर आस्था का सैलाब, 168 सवारियों संग शुरू हुई ऐतिहासिक राम बारात

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

बरशहिं सुमन देव मुनि बृंदा, जय जय धुनि नभ मंडल गुंजा की भक्तिमय अनुभूति मंगलवार को आगरा की धरती पर साकार होती नजर आ रही है। उत्तर भारत की ऐतिहासिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध श्रीराम बारात जब रावतपाड़ा से शुरू हुई तो पूरा क्षेत्र प्रभु श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। कहीं पुष्पवर्षा हुई तो कहीं आरती की थाल सजी। छतों, दुकानों और मार्गों के दोनों ओर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। ऐसा लगा मानो पूरा आगरा ही प्रभु श्रीराम की बारात का बाराती बन गया हो। श्रीरामलीला महोत्सव के अंतर्गत श्रीरामलीला कमेटी द्वारा निकाली जा रही इस भव्य राम बारात में धर्म, अध्यात्म, पौराणिक संस्कृति, भारतीय परंपरा, सामाजिक समरसता और देशभक्ति का अद्भुत संमग दिखाई दे रहा है। 168 सवारियों से सजा राम बारात का विराट कारवां जिस मार्ग से गुजर रहा है, वहां श्रद्धा और उल्लास का वातावरण बनता जा रहा है।

जगन्नाथ से बाँके बिहारी तक दिखी भक्ति की विविध छटा

राम बारात में इस्कॉन मंदिर की जगन्नाथ जी की झांकी, राजस्थानी नृत्य, नेत्रदान महादान का सदिश, विष्णु भगवान की शेषशैया पर विराजमान झांकी, लक्ष्मी जी द्वारा भगवान विष्णु के चरण दबाने का दृश्य, पूतना वध, खादू क्याम जी, राजा बलि से तीन पग भूमि मांगते भगवान विष्णु, भगवान कार्तिकेय, मोर, गंगा मैया और नवदुर्गा की

आगरा-बाह मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत, एक गंभीर रूप से घायल, हायर सेंटर रेफर

○ टीएनएफ टुडे, पिनाहट (आगरा)।

आगरा-बाह मार्ग पर पूजा पब्लिक स्कूल के पास दो बाइकों में सामने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया है।

जानकारी के अनुसार, हुसैनपुरा निवासी दिनेश शर्मा (50 वर्ष) पुत्र रामहेत शर्मा भदरौली से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह आगरा-बाह मार्ग पर पूजा पब्लिक स्कूल के पास पहुंचे, तभी बाह की तरफ से आ रहे बाइक सवार अरुण (35 वर्ष) पुत्र किशन लाल, निवासी चौसिंगी से उनकी बाइक की



जीवंत कर रही है, वहीं देशभक्ति पर आधारित झांकियां युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना जगा रही हैं। राम बारात में देशभक्ति की फिल्मों से प्रेरित क्रांति के दृश्य भी प्रस्तुत किए गए हैं। हृगदरहू फिल्म में सनी देओल द्वारा हैंडपंप उखाड़ने का दृश्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आतंकवादियों से भारतीय सेना की जंग दशार्ती झांकी ने देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर जवानों को नमन किया।

हाइड्रोलिक रथों ने दिखाई अद्भुत भव्यता

राम बारात में बाबा बफानी, शिवजी का स्वरूप, कैलाश मानसरोवर सहित हाइड्रोलिक रथों ने भव्यता को और बढ़ा दिया। हाइड्रोलिक रथ पर पंचमुखी हनुमान जी के दर्शन हुए। भोले बाबा के ऊपर उड़ती काली माता की झांकी ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। गोवर्धन लीला में मेघों से बरसती वर्षा, सांवरिया सेट, तिरुपति बालाजी की मेवा झांकी, नीम करौली बाबा की फूलों की झांकी और सालासर बालाजी की फलों

की झांकी विशेष आकर्षण बनीं।

ऐरावत पर श्रीराम, रजत रथ पर लक्ष्मी नारायण

राम बारात की सबसे भावपूर्ण झलक उस समय दिखाई दी जब ऐरावत हाथी पर प्रभु श्रीराम सहित चारों भाइयों के स्वरूप विराजमान थे। श्रद्धालु हाथ जोड़कर प्रभु के दर्शन करते रहे और जय श्रीराम की जयघोष से वातावरण गुंजता रहा। वहीं राजा दशरथ के स्वरूप के साथ विश्वामित्र और वशिष्ठ जी की सवारी ने रामायण के उस दिव्य प्रसंग की याद दिलाई। रजत रथ पर लक्ष्मी नारायण भगवान के दिव्य दर्शन भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहे।

दर्शक नहीं, बाराती बने आगरा वासी

राम बारात के मार्ग में पुराने शहर के बाजारों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों से पुष्पवर्षा की। बाजार कमेटियों ने आरती की थाल सजाकर प्रभु श्रीराम की आरती उतारी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई राम बारात की एक झलक



पाने को आतुर दिखाई दिया। ह्जय श्रीरामहू, ह्ूसियावर रामचंद्र की जयहू और ह्जय बजरंगबलीहू के जयघोष से पूरा शहर भक्तिमय हो गया। 168 सवारियों के इस विराट कारवां ने आगरा की ऐतिहासिक रामलीला परंपरा को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

चांदी के रथ पर विराजमान थे विष्णु-लक्ष्मी के स्वरूप

चांदी के रथ पर भगवान विष्णु, लक्ष्मी जी के साथ विराजमान थे। मयादां पुरूषोत्तम श्रीराम के रथ, लक्ष्मण जी के रथ, भरत जी एवं शत्रुघन के रथ सबसे पीछे थे। उनकी जगह-जगह आरती उतारी। राम बारात के मुख्य मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर दस बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं। इन स्क्रीन के माध्यम से राम बारात का लाइव प्रसारण किया गया, मार्ग पर मौजूद श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में मौजूद लोग भी घर बैठे और विभिन्न स्थानों से राम बारात की भव्यता के साक्षी बने। ऐरावत हाथी पर विराजमान प्रभु श्रीराम सहित चारों भाइयों, आकर्षक झांकियों, सवारियों

और धार्मिक आयोजनों के दृश्य एलईडी स्क्रीन पर सोधे प्रसारित होते रहे। इससे राम बारात में उमड़ी भीड़ को भी बिना किसी असुविधा के प्रभु के दर्शन और भव्य आयोजन की झलक मिलती रही।

इन मार्गों पर उमड़ती रही भीड़

श्रीराम बारात रावतपाड़ा, सुभाष बाजार, दरेंसी, छत्ता बाजार, कचहरी घाट, बेलनगंज, पथवारी होते हुए घंटिया पहुंचीं। वहां पर बीपी ऑथल मिल्स पर रामबारात ने आधे घंटे विश्राम किया। इसके पश्चात फुलट्री, फब्बारा, रावतपाड़ा तिराहा, पहुंच कर मनकामेश्वर समाप्त होगी। बुधवार को सुबह कार द्वारा भगवान के स्वरूप जनकपुरी (भावना एस्टेट) पहुंचेंगे। मीडिया प्रभारी राहुल गौतम द्वारा बताया गया के मयादां पुरूषोत्तम श्री राम जी की वयात्रा मिथिलानगरी भावना एस्टेट में प्रातः 9.00 बजे प्रारंभ होगी तथा पूरी जनकपुरी क्षेत्र में भ्रमण करेगी।

इनका रहा सहयोग

संचालन प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने कर रहे हैं। राम बारात के प्रभारी

आगरा में एमएलसी चुनाव की तैयारियां तेज, 11 जोनल और 27 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात

23 अक्टूबर को होगा आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का मतदान

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

■ निष्पक्ष मतदान और सुरक्षा के लिए वीडियोग्राफी की 6 टीमें गठित

किए हैं।

तैनात किए गए सभी जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों की जिम्मेदारी होगी कि वे पोलिंग पार्टियों को रवानगी स्थल से मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) तक सुरक्षित पहुंचाएंगे और उनकी रिपोर्ट निर्वाचन कंट्रोल रूम को

समय पर उपलब्ध कराएंगे। मतदान वाले दिन सभी मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों में मौजूद रहकर समय से मतदान शुरू कराने और मतदान समाप्ति के बाद मतपेटियों/सामग्री को सुरक्षित स्टॉफ रूम तक पहुंचाने की व्यवस्था संभालेंगे।

आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन कराने के लिए राजनीतिक दलों व उम्मीदवारों की बैठकों व कार्यक्रमों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। इसके लिए

तहसीलवार 6 विशेष वीडियोग्राफी टीमों का गठन किया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की निगरानी के लिए दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को प्रेक्षक (ऑब्जर्वर) नियुक्त किया गया है। आगरा खंड स्नातक सीट के लिए 2002 बैच की आईएएस अधिकारी मनीषा त्रिघाटिया तथा आगरा खंड शिक्षक सीट के लिए 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को प्रेक्षक नामित किया गया है।

दो दिवसीय सेवा संकल्प अभियान के तहत कृषक प्रशिक्षण का समापन

○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

मंगलवार को उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी कार्यालय फतेहाबाद पर उप कृषि निदेशक मुकेश कुमार के निदेशानुसार दो दिवसीय सेवा संकल्प अभियान के तहत कृषक प्रशिक्षण का समापन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुन्नालाल त्यागी, भूमि विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि किसान की जिज्ञासाओं का उपयोग कम करें, एवं उर्वरकों का उपयोग भी कृषि विभाग की संस्तुति के आधार पर ही करें। अधिक उर्वरक एवं कीटनाशकों के उपयोग से किसान घातक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, जो कि कभी भी किसान हित में नहीं है।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कृषि विभाग के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. राधेश्याम सिंह एवं मेहरबान सिंह यादव ने किसानों को सरसों गेहूं एवं चना, मटर एवं मसूर की उन्नत किस्में, खाद उर्वरक, एवं



बीमारियों से बचाव के सरल एवं किफायती उपाय बताए एवं किसानों की जिज्ञासाओं का मौके पर ही समाधान बताया। कार्यक्रम संयोजक अजीत सिंह, बीटीएम ने कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों एवं कृषकों का स्वागत किया एवं धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कृषि विभाग के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. राधेश्याम सिंह एवं मेहरबान सिंह यादव ने किसानों को सरसों गेहूं एवं चना, मटर एवं मसूर की उन्नत किस्में, खाद उर्वरक, एवं

रजिस्ट्री, फैमिली आईडी, डिजिटल क्रांप सर्वे, पीएम कुसुम, कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि यंत्र पर अनुदान, बीज अनुदान, कृषि रक्षा रसायनों पर अनुदान से संबंधित जानकारी दी, और किसानों से बीज भंडार पर मिलने वाली सुविधाओं का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने पर बल दिया।जावेद खान विषय वस्तु विशेषज्ञ फतेहाबाद ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों एवं कृषकों का आभार प्रकट किया। इस दौरान प्रगतिशील निहाल सिंह , पूर्व प्रधान अवधपाल सिंह सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़ड़ा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट:www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

सोशल मीडिया पर पुरुषों के प्रति बढ़ती अभद्र टिप्पणियां और हमारी गिरती सामाजिक मर्यादाएं

आज के इस अति-डिजिटल और आभासी दुनिया की अंधी दौड़ में समाज का नैतिक ताना-बाना किस रसातल की ओर जा रहा है, इसका सबसे विचलित करने वाला रूप इन दिनों सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर देखने को मिल रहा है। कुछ समय पहले तक जिस डिजिटल स्पेस को वैचारिक संवाद, ज्ञान के आदान-प्रदान और रचनात्मकता का माध्यम माना जाता था, वह अब कुछ निहित स्वार्थों और सनसनीखेज लोकप्रियता की चाह में अमर्यादित टिप्पणियों का अखाड़ा बन चुका है। विशेष रूप से पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक ऐसी प्रवृत्ति तेजी से उभरी है जहाँ कुछ लोग, और विशेष रूप से कुछ युवतियां तथा इन्फ्लुएंसर्स लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स बढ़ाने के पागलपन में सार्वजनिक रूप से पुरुषों के खिलाफ बेहद अभद्र, अपमानजनक और सामान्यीकृत टिप्पणियां करने लगी हैं। यह प्रवृत्ति न केवल हमारी सामाजिक संस्कृति के खिलाफ है, बल्कि यह उस दोहरे और संकीर्ण मानसिक द्विवांलियानन को भी दर्शाती है जो सस्ती लोकप्रियता के लिए किसी भी हद तक गिरने को तैयार रहता है। घटना के इस नए और चिंताजनक दौर में ऐसे कई वीडियो और रील्स धड़कते से वायरल हो रहे हैं जिनमें राह चलते या जिम और सार्वजनिक स्थलों पर पुरुषों के कपड़ों, उनके शारीरिक हाव-भाव या उनकी उपस्थिति को लेकर खुलेआम मजाक उड़ाया जाता है और उन पर आपत्तिजनक फबतियां करीी जाती हैं। विडंबना यह है कि जब महिला सशक्तिकरण के नाम पर समाज ने बेटीयों को आगे बढ़ाने और उन्हें सुरक्षित माहौल देने का संकल्प लिया था, तब उसी स्वतंत्रता का गलत अर्थ निकालकर कुछ लोगों ने इसे दूसरों की गरिमा को कुचलने का लाइसेंस मान लिया है। यदि कोई पुरुष महिलाओं के प्रति इस प्रकार की ओछी या अमर्यादित भाषा का प्रयोग करे, तो उसे तुरंत गंभीर अपराध मानकर सामाजिक और कानूनी कोड़े बरसाए जाते हैं, किंतु जब यही आचरण दूसरी ओर से हो, तो एक बड़ा वर्ग इसे आधुनिकता या महिला स्वतंत्रता का नाम देकर या तो चुप्पी साध लेता है या फिर तमाशा देखता है। तथापि, इस प्रकार की ओछी और विकृत मानसिकता से किसी भी स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो सकता। स्वतंत्रता कभी भी अनुशासनहीनता या दूसरों के मौलिक अधिकारों और सम्मान के हनन का पर्याय नहीं हो सकती। पुरुष भी इसी समाज का अभिन्न अंग हैं, और यदि उनके खिलाफ इस प्रकार का सुनियोजित माहौल बनाया जाएगा, तो यह अंततः पूरे सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर देगा। सम्मान और गरिमा किसी एक लिंग का एकाधिकार नहीं है, बल्कि यह हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है चाहे वह स्त्री हो या पुरुष। आवश्यकता इस बात की है कि समाज और विशेष रूप से सोशल मीडिया के जिम्मेदार मंच इस दोहरे मापदंड से बाहर निकलें। एल्गोरिदम की अंधी दौड़ में लाइक और शेयर के भूखे ऐसे तत्वों की निंदा की जानी चाहिए जो केवल चंद मिनटों की शोहरत के लिए समाज की बुनियादी मर्यादाओं की ध्वजियां उड़ा रहे हैं। जब तक हम हर व्यक्ति के प्रति एक समान आदर और शालीनता का भाव रखना नहीं सीखेंगे, तब तक हमारी यह तथाकथित आधुनिकता केवल एक खोखला दिखावा बनकर रह जाएगी।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब द्रौपदी के चीरहरण के समय भगवान श्रीकृष्ण की उंगली में लगी चोट

महाभारत ग्रंथ भारतीय सनातन संस्कृति का वह महाग्रंथ है जिसमें धर्म, कर्म और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के ऐसे-ऐसे मर्मस्पर्शी और सूक्ष्म प्रसंग छिपे हैं, जो आम जनमानस के बीच बहुत कम सुने गए हैं। इस ग्रंथ के मुख्य कथा-प्रवाद से इतर कुछ ऐसे दार्शनिक आख्यान भी प्रवाहित हो रहे हैं जो यह समझाते हैं कि भगवान और उनके भक्तों के बीच का संबंध कितना अटूट और अदृश्य डोर से बंधा होता है। ऐसा ही एक अत्यंत अलौकिक और रहस्यमयी प्रसंग द्वाका नगरी का है, जो हस्तिनापुर की भरी सभा में ह्रृं पीरहरण की घटना से ठीक पहले घटित हुआ था। घटना द्वाका के उस शांत और पावन प्रहर की है जब भगवान श्रीकृष्ण अपनी पटरानी रुक्मिणी के साथ बैठे थे और उनके समीप ही सुदर्शन चक्र अपनी संपूर्ण ऊर्जा के साथ उपस्थित था। अचानक एक अजीब घटना घटी। किसी भी शत्रु के बिना और बिना किसी भौतिक कारण के अचानक भगवान श्रीकृष्ण की तर्जनी यानी बाएं हाथ की उंगली से रक्त की एक बूंद छलक कर बाहर आ गई और वह नीचे गिर पड़ी। यह देखकर माता रुक्मिणी घबरा गई और उन्होंने तुरंत दौड़कर अपने वस्त्र का एक कोना फाड़ा तथा भगवान की उंगली पर बांध दिया ताकि खून बहना बंद हो जाए। प्रसंग के अनुसार, जब रुक्मिणी जी ने अत्यंत चिंतित होकर पूछा— “हे प्रभु, आप इस त्रैलोक्य के स्वामी हैं, आपके शरीर पर खरोंच तक कैसे आ सकती है और यह रक्त क्यों से आया?” भगवान श्रीकृष्ण ने मंद-मंद मुस्कुराते हुए जो उत्तर दिया, वह महाभारत के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है। श्रीकृष्ण ने कहा- र्हे रुक्मिणी, हस्तिनापुर के राजसभा में इस समय कौरव और पांडव एक बड़े संकट के मुहाने पर खड़े हैं। मेरी अनन्य भक्त और पालाती द्रौपदी इस समय घोर संकट में फंסने वाली है और वह अपनी लाज बचाने के लिए केवल मेरा स्मरण करेगी। जब उसने पुकारा, तो उसकी रक्षा के लिए मेरा चक्र स्वतः प्रस्थान करने लगा था, किंतु चक्र की धार इतनी तीव्र थी कि उसने रास्ते में ही संकेत दे दिया। मैंने अपनी उंगली आगे करके उस चक्र की धार को रोक़ा, ताकि मेरी भक्त की पुकार पर विलंब न हो और मेरी उंगली कटने से जो रक्त बहा, वह हस्तिनापुर में द्रौपदी की लाज बचाने के लिए वस्त्र का अनंत विस्तार बन गया। र्हा द्वाका में गिरी उस रक्त की एक-एक बूंद ने हस्तिनापुर में चीरहरण के समय असाधारण रूप से साक्षियों का ऐसा प्रवाच रच दिया जिसे दुश्मान कभी समझ नहीं कर सका। यह पानव प्रसंग हमें यह गहरी सीख देता है कि भक्त जब अपनी पूरी निष्ठा और पुकार के साथ ईश्वर को याद करता है, तो भगवान अपनी किसी भी पीड़ा की परवाह किए बिना सबसे पहले अपने भक्त की रक्षा के लिए दौड़ पड़ते हैं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!



शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष कर्क सिंह तुला वृश्चिक और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। गुरुवार का दिन जातक के पालनहार भगवान विष्णु तथा देवगुरु ब्रह्मस्पति की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन भगवान विष्णु को पीले पुष्प अर्पित करने तथा चने की दाल और गुड़ का दान करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और उच्च अधिकारियों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में किए गए निवेश से भविष्य में बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

तृष

आज आपकी राशि पर गुरु की अनुकूल स्थिति के कारण व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल पर समय बिताने का अवसर मिलेगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किसी जरूरतमंद को पीले वस्त्र या चने की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी वाणी की प्रभावशीलता से आपके रुके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और लोग आपकी कार्यशैली की सराहना करेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और अधिक प्रखर होगी।

्रोफेसर आर्य मित्र

भारतीय समाज की आत्मा सदियों तक परिवार नामक उस संस्था में निवास करती रही है, जहाँ केवल रक्त संबंध ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और नैतिक संबंध भी समान रूप से महत्त्व रखते थे। परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं था, वह जीवन की पाठशाला था, मूल्यझनिर्माण का केंद्र था और सामाजिक संतुलन का आधार था। संयुक्त परिवार की संरचना में अनेक पीढ़ियाँ एक साथ रहती थीं। दादा-दादी अनुभव और परंपरा के प्रतीक थे, माता-पिता अनुशासन और संरक्षण के आधार थे, और बच्चे भविष्य की आशा। इस सामूहिक जीवन में व्यक्ति अकेला नहीं था; उसकी सफलताएँ सामूहिक थीं और उसकी विफलताओं का भार भी साझा था। परंतु समय के प्रवाह में यह संयुक्त संरचना धीरे-धीरे उन्मुक्त, अर्थात् व्यक्तिगत और एकाकी ढाँचे में बदलती जा रही है। यह परिवर्तन केवल भौतिक नहीं, मानसिक और सांस्कृतिक भी है। संयुक्त परिवार की शक्ति उसकी सामूहिकता में निहित थी। आय और व्यय का सामूहिक प्रबंधन, निर्णयों में वरिष्ठों की भागीदारी, संकट के समय सहयोग और बच्चों को संस्कारों का सहज हस्तांतरण—ये सब उसकी विशेषताएँ थीं। घर के आँगन में खेलते बच्चे केवल माता-पिता से नहीं, दादा-दादी की कहानियों से भी सीखते थे। जीवन के छोटे-छोटे प्रसंगों में नैतिक शिक्षा छिपी होती थी। बड़ों के प्रति सम्मान, अलिङ्गित के प्रति आदर, साझा भोजन की परंपरा और त्यौहारों की सामूहिकता—ये सब जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थे। परिवार एक ऐसा वृक्ष था जिसकी जड़ों में संस्कार और शाखाओं में स्नेह फलता-फूलता था। परंतु आधुनिक समय में अनेक कारणों से यह संरचना बदलने लगी। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने युवाओं को रोजगार की तलाश में महानगरों की ओर आकर्षित किया। छोटे फ्लैटों और सीमित संसाधनों में बड़ी पारिवारिक संरचना संभव नहीं रही। आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने जीवन को अधिक

ुबज खंडेलवाल द्वारा

पेरिस और ब्रसेल्स की हाल की यात्रा अभी यादों में ताजा है। खूबसूरत इमारतें, साफ सड़कों और कैफे की रौनक के पीछे मुझे कुछ और भी दिखाई दिया था।

Gen Z के युवाओं से बातचीत में एक बेचैनी महसूस हुई। वे व्यवस्था से पूरी तरह खुश नहीं थे। शिकायतें अलग-अलग थीं, लेकिन भीतर कोई खदबदाहट जरूर थी। तब अंदाजा नहीं था कि यह बेचैनी इतनी जल्दी सड़कों पर दिखाई देगी। अब फ्रांस सड़कों पर है। जो आंदोलन शिक्षकों की कमी, भौडभरी कक्षाओं और जर्जर स्कूलों से शुरू हुआ था, वह देखते-देखते राष्ट्रीय अशांति का बड़ा चेहरा बन गया है। सैकड़ों स्कूल प्रभावित हैं। हजारों लोग हिरासत में लिए गए हैं। छात्र, शिक्षक और पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। 6 अक्टूबर तक 6,100 से अधिक गिरफ्तारियों की रिपोर्ट आ चुकी थी, जिनमें बड़ी संख्या नाबालिगों की है।

फ्रांस में स्कूल की समस्या कोई काल्पनिक कहानी नहीं है। कई जगह शिक्षक नहीं हैं, कक्षाएँ भरी हुई हैं और स्कूल भवनों की हालत खराब है। छात्रों की मांग है कि सरकार उन्हें केवल भाषण नहीं, बेहतर स्कूल दे। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। पोप लियो चौदहवें 25 से 28 सितंबर तक फ्रांस आए थे। पेरिस में उन्होंने शांति, संवाद और सामाजिक एकता की बात की। फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ उनकी बातचीत में मध्य-पूर्व की शांति और संवाद भी प्रमुख विषय थे। अजीब संयोग था।

एक तरफ पेरिस में शांति और सद्भाव की प्रार्थना हो रही थी। दूसरी तरफ उसी शहर के किशोर स्कूलों के बाहर बैरिकेड लगा रहे थे। और मुझे भारत का मौजूदा कॉर्कोरोच आंदोलन याद आ गया।



भारत में Gen Z से जुड़ा यह नया राजनीतिक आंदोलन चुनावी व्यवस्था और मतदाता सूची में बदलाव के खिलाफ सड़कों पर है। 2 अक्टूबर को मुंबई और दिल्ली में इसके प्रदर्शन हुए। आंदोलन का नाम ही अपने आप में व्यंग्य है, जिस शब्द से युवाओं को अपमानित किया गया, उन्होंने उसी को अपना झंडा बना लिया। थाईलैंड में भी युवाओं ने पिछले वर्षों में लोकतंत्र, राजनीतिक सुधार और संस्थानगत बदलाव के सवाल उठाए। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में युवा पीढ़ी अपनी आवाज खोज रही है।

लेकिन यहीं एक बड़ा सवाल पैदा होता है। क्या आज के छात्र आंदोलन वैसे ही हैं जैसे हमारे समय के आंदोलन थे? मैं अपने छात्र जीवन में गुजरात के 1973-74 के दिनों को कैसे भूल सकता हूँ? गुजरात में छात्रों का आंदोलन पहले मेस की बढ़ी फीस और महंगाई जैसे सवालों से शुरू हुआ। लेकिन धीरे-धीरे वह भ्रष्टाचार और शासन के खिलाफ व्यापक नबनिर्माण आंदोलन बना। मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा और विधानसभा भंग हुई। यहीं आंदोलन आगे चलकर जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति

दिनांक 6 अक्टूबर 2026 मंगलवार

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी अंशेय से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance)

राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात से ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।



कर्क

आज भूमि भवन या संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना मामला आपसी सहमति से सुलझने की पूरी संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुख शांति बेनी रहेगी और बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। केले के वृक्ष की पूजा करें जिससे आपके परिवार में अखंड समृद्धि का वास होगा।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम तथा नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय के नए स्रोत विकसित होने से आर्थिक पक्ष मजबूत

होगा। मस्तक पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और कहीं से रुका हुआ पुराना धन अचानक वापस मिल सकता है। व्यापारियों को किसी नए बड़े अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का अवसर मिलेगा। मंदिर में चने की दाल और गुड़ का दान करें जिससे आपके व्यावसायिक मार्ग प्रशस्त हों।

तुला

गई है। कुछ बुजुर्ग आर्थिक रूप से निर्भर हैं, तो कुछ भावनात्मक रूप से उपेक्षित। वे अपने अनुभवों का खजाना साझा करना चाहते हैं, पर सुनने वाला कोई नहीं मिलता। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इस सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। बुजुर्गों की पीड़ा केवल शारीरिक असुविधा की नहीं, बल्कि अकेलेपन और अस्वीकृति की है। जब वे देखते हैं कि जिन बच्चों को उन्होंने जीवन भर संभाला, वही समयाभाव या असुविधा के कारण दूरी बना रहे हैं, तो यह उनके लिए गहरा आघात होता है। यह स्थिति समाज की संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। संस्कृति और संस्कारों का क्षरण भी इसी प्रक्रिया का परिणाम है। संस्कार किसी पुस्तक से नहीं, व्यवहार से सीखे जाते हैं। संयुक्त परिवार में बच्चे बड़ों को देखकर सीखते थे—कैसे बोलना है, कैसे व्यवहार करना है, कैसे त्यौहार मनाना है। आज त्यौहारों की आत्मा कई बार औपचारिकता में सिमट जाती है। सामाजिक परंपराएँ प्रदर्शन तक सीमित हो जाती हैं। पारिवारिक इतिहास और लोक परंपराएँ धीरे-धीरे विस्मृत होती जा रही हैं। भाषा और लोकगीतों की जगह तात्कालिक मनोरंजन ने ले ली है। संस्कृति की जड़ें जब कमजोर होती हैं, तो समाज में असहिष्णुता, स्वाधंपरता और नैतिक शिथिलता बढ़ने लगती है। फिर भी यह कहना उचित नहीं होगा कि पूर्व व्यवस्था पूर्णतः आदर्श थी और वर्तमान पूर्णतः दोषपूर्ण। संयुक्त परिवार में भी अनेक चुनौतियाँ थीं। व्यक्तिगत स्वतंत्रता सीमित थी, महिलाओं पर अधिक दायित्व था, पारिवारिक राजनीति और मतभेद भी होते थे। इसलिए परिवर्तन को पूरी तरह नकारात्मक नहीं कहा जा सकता। समस्या परिवर्तन में नहीं, संतुलन की कमी में है। आधुनिकता आवश्यक है, परंतु यदि वह संवेदनशीलता और मूल्यों से रिक्त हो जाए, तो वह समाज को खोखला कर देती है। प्रश्न यह है कि क्या हम नई संरचना में भी पुराने मूल्यों को जीवित रख पा रहे हैं। परिवार समाज की मूल इकाई है। जब परिवार कमजोर होता है, तो उसका प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देता है। मानसिक अवसाद, अकेलापन,

अपराधों में वृद्धि और वैवाहिक संबंधों का अस्थिर होना—ये सब संकेत हैं कि सामाजिक ताने-बाने में तनाव है। बच्चे यदि भावनात्मक सुरक्षा से वंचित हों, तो उनका व्यक्तित्व असंतुलित हो सकता है। बुजुर्ग यदि उपेक्षित हों, तो समाज अपनी स्मृति खो देता है। युवा यदि दिशाहीन हों, तो भविष्य अनिश्चित हो जाता है। इसलिए परिवार का सुटढ़ होना केवल निजी नहीं, सामाजिक आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस परिवर्तन की धुरी है। वह आधुनिक शिक्षा, तकनीक और वैश्विक दृष्टिकोण से संपन्न है। उसके पास अवसर भी हैं और चुनौतियाँ भी। यदि वह स्वतंत्रता को जिम्मेदारी के साथ जोड़े, तो वह परिवार और समाज दोनों को नई दिशा दे सकती है। युवाओं को समझना होगा कि सफलता केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि संबंधों की गुणवत्ता भी है। माता-पिता और बुजुर्गों के साथ संवाद बनाए रखना, उनकी भावनाओं का सम्मान करना और परंपराओं को युगानुकूल रूप में आगे बढ़ाना आवश्यक है। यह भी समझना चाहिए कि करियर और परिवार परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। समय प्रबंधन और संवेदनशीलता से संतुलन स्थापित किया जा सकता है। समाधान की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण तत्व संवाद है। परिवार के सदस्य यदि नियमित रूप से साथ बैठें, विचार साझा करें और समस्याओं पर खुलकर चर्चा करें, तो अनेक गलतफहमियाँ दूर हो सकती हैं। डिजिटल उपकरणों का उपयोग सीमित कर पारिवारिक समय बढ़ाना भी उपयोगी है। सामूहिक उत्सव, पारिवारिक यात्राएँ और परंपरागत आयोजनों में सहभागिता से आत्मीयता बढ़ती है। बुजुर्गों के अनुभवों को सुनना और सम्मान देना केवल औपचारिक कर्तव्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आवश्यकता है। यदि संयुक्त परिवार संभव न भी हो, तो संयुक्त भावनाएँ संभव हैं। भौतिक दूरी के बावजूद भावनात्मक निकटता बनाए रखी जा सकती है। शिक्षा व्यवस्था में भी नैतिक और सामाजिक मूल्यों को स्थान देना चाहिए। विद्यालय और विश्वविद्यालय केवल ज्ञान के केंद्र न होकर चरित्र निर्माण के केंद्र भी हों।

फ्रांस फिर सड़कों पर क्रांति के सपने छोटे क्यों हो गए?

यही शायद हमारे समय का सबसे बड़ा फर्क

है। ब्रसेल्स में भी मैंने इसी तरह की बेचैनी देखी। सितंबर में सैकड़ों छात्रों ने बढ़ती फीस और शिक्षा के बढ़ते खर्च के खिलाफ प्रदर्शन किया। आयोजकों के अनुसार, कई छात्रों के लिए फीस करीब 1,200 यूरो तक पहुँच गई है और बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई के साथ काम करने को मजबूर हैं। यूरोप के युवा पूछ रहे हैं: पढ़ाई इतनी महंगी क्यों हो रही है? भारत के युवा पूछ रहे हैं: मेरी वोट की गारंटी कौन देगा? फ्रांस का युवा पूछ रहा है: मेरा शिक्षक कहाँ है? सवाल अलग हैं। बेचैनी एक है। लेकिन फ्रांस की कहानी में एक और संवेदनशील परत है।

आव्रजन और राष्ट्रीय पहचान। फ्रांस में उत्तरी अफ्रीका और दूसरे मुस्लिम देशों से आए लोगों की बड़ी आबादी है। लाखों फ्रांस फ्रांसीसी समाज में पूरी तरह घुले-मिले हैं। लेकिन कुछ इलाकों में गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक अलगाव और सांस्कृतिक दूरी ने तनाव पैदा किया है। इसी पृष्ठभूमि में पेरिस विश्वविद्यालय के एक फ्रांसीसी छात्र से भारत यात्रा के दौरान मेरी बातचीत हुई। उसने चिंता जताते हुए कहा कि फ्रांस की सबसे बड़ी समस्या ऐसे लोग हैं जिन्हें वह ह्यूमर—जैविक फ्रांसीसीरूढ़ कहता है और जिनके बारे में उसे लगता है कि वे देश पर कब्जा करना चाहते हैं। उसकी बात चौंकाने वाली थी। उसके चेहरे पर डर था। लेकिन उसकी धारणा को पूरे फ्रांसीसी समाज की राय मान लेना भी गलत होगा। यह एक युवा व्यक्ति की चिंता है, जबकि आद्रजन, समाोजजन और राष्ट्रीय पहचान पर फ्रांस में गहरी और विवादित राजनीतिक बहस चल रही है।

इसी तरह कुछ प्रदर्शनों में फिलिस्तीन और हमास के समर्थन से जुड़े नारे सुनाई देने की खबरें और आरोप सामने आए हैं। असल आंदोलन की शुरुआत स्कूलों से हुई थी। टपकती छत से लेकर सांस्कृतिक पहचान तक की यात्रा बहुत लंबी है। खतरा तब पैदा होता है जब किसी वास्तविक छात्र शिकायत को राजनीतिक या सांप्रदायिक ताकतें अपने एजेंडे के लिए इस्तेमाल करने लगती हैं। फ्रांस के सामने इसलिए दो अलग लेकिन जुड़े हुए सवाल हैं। पहला, क्या वह अपने युवाओं को अच्छी शिक्षा, समान अवसर और सम्मान दे पा रहा है? दूसरा, क्या वह अलग-अलग समुदायों को एक साझा फ्रांसीसी नागरिक पहचान में जोड़ पा रहा है? इन दोनों सवालों का जवाब केवल पुलिस से नहीं मिलेगा।

फ्रांस स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे का देश होने पर गर्व करता है। लेकिन जब एक बच्चा आधुनिक स्कूल में पढ़े और दूसरा जर्जर भवन में 35 बच्चों के साथ बैठे, तो समानता का नारा थोड़ा खोखला सुनाई देता है। और जब युवा अपने देश से जुड़ाव महसूस न करें, तब केवल राष्ट्रवाद का भाषण भी काम नहीं करता। पुरानी पीढ़ी के आंदोलनों में एक बड़ा सपना था।

आज के आंदोलनों में बड़ी मांगों की जगह छोटी-छोटी लोस मांगें हैं। शायद यही हमारे समय की त्रासदी है। हमारे पास पहले सपने बड़े थे, साधन छोटे थे। आज साधन बड़े हैं, लेकिन सपने छोटे होते जा रहे हैं। फ्रांस की सड़कों से भारत के कॉर्कोरोच आंदोलन तक, ब्रसेल्स से थाईलैंड तक ऋल्ले अपनी आवाज तलाश रही है। अभी यह संय नहीं है कि यह आवाज केवल

सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने के योग बन रहे हैं। गुरुवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटक हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। लंबी दूरी की किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। भगवान विष्णु का पंचामृत से अभिषेक करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

मीन

आज आर्थिक मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अनजान योजना में निवेश करने से बचें। पारिवारिक माहौल शांत रहेगा और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। मंदिर में जाकर गरीबों को अन्न वितरित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूर

गुरुवार के दिन घर के उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां पीले रंग के फूलों की संजावट करने तथा गुरु यंत्र स्थापित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा देवगुरु ब्रह्मस्पति की कृपा से ज्ञान और अपार धन-धान्य का वास होता है।

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर
विश्वविद्यालय, आगरा के दीनदयाल
हस्वसे संकल्प अभियानद्ध के अंतर्गत
हस्वसे मेरा योगदानद्ध कार्यक्रम के तहत
मर्मिलवार को हालोकल फॉर वोलद्ध
निदेश्य पर प्रभावशाली नुक्कड नाटक का
आयोजन किया गया। कार्यक्रम का
अदेश्य विद्यार्थियों में स्देशी भावना,
आत्मनिर्भरता तथा समाजजि जिम्मेदारी
की भावना को सुद्ध करना रहा।
कुलपति प्रो. आशु रानी के निदेशानुसार

यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने की कवायद

आगरा के सभी 90 नालों का सीवरेज होगा शोधित, नहीं गिरेगा गंदा पानी

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

यमुना नदी को स्वच्छ, निर्मल और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर कार्ययोजना लागू की है। आगरा शहर के सभी 90 नालों से निकलने वाले गंदे पानी (सीवरेज) को टैप कर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के जरिए शोधित किया जाएगा, जिससे यमुना में अशोधित सीवरेज का सीधा प्रवाह पूरी तरह बंद हो जाएगा। एडीएम नमामि गंगे जुबेर बेग ने बताया कि आगरा नगर निगम क्षेत्र में कुल 90 नाले हैं, जिन्से प्रतिदिन लगभग 286 एमएलडी सीवरेज

■ नमामि गंगे योजना के तहत नए रळढ का निर्माण और क्षमता विस्तार का कार्य तेज

■ 100 एमएलडी धांधपुरा एसटीपी का ट्रायल शुरू, 10 डीएसटीपी से 23 नालों की होगी टैपिंग

डिस्चार्ज होता है। इनमें से 24 नाले पूरी तरह टैप किए जा चुके हैं, जबकि 5 नालों को आंशिक रूप से टैप किया गया है। वर्तमान में शहर में क्रियाशील 9 एसटीपी के माध्यम से 220 एमएलडी सीवरेज का शोधन नियमित रूप से किया जा



रहा है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत आगरा सीवरेज योजना को तेजी

से आगे बढ़ाया जा रहा है। 31 एमएलडी क्षमता के जगनपुर एसटीपी तथा 35 एमएलडी क्षमता

के पीलाखार एसटीपी का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इनका संचालन जारी है। इसी श्रृंखला में 100 एमएलडी क्षमता वाले धांधपुरा एसटीपी का ट्रायल 31 अगस्त से प्रारंभ कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त 10 डिसेंटलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपी) के जरिए 23 नालों की टैपिंग का कार्य प्रगति पर है, जिसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

शेष बचे 38 अनटैप्ड तथा 5 आंशिक रूप से टैप नालों की पूर्ण टैपिंग के लिए उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा तैयार

प्रस्ताव को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (ठटउऊ), नई दिल्ली से स्वीकृति मिल चुकी है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसे नवंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

प्रशासन का दावा है कि इन सभी एसटीपी, डीएसटीपी और टैपिंग प्रोजेक्ट्स के पूरा होने के बाद आगरा के किसी भी नाले का अशोधित सीवरेज सीधे यमुना नदी में प्रवाहित नहीं होगा। इससे यमुना के जल की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ ही शहर के जलीय पर्यावरण को नया जीवन मिलेगा।

घर में घुसे चोर, आभूषण और नकदी लेकर फरार

कासगंज। पटियाली थाना क्षेत्र के गांव नरथर में सोमवार रात चोरों ने घर में घुसकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। आहत होने पर परिवार के लोगों की नींद खुल गई। शोर मचाने और पकड़ने का प्रयास करने पर चोर गाली-गलौज करते हुए चोरी का सामान और बक्सा लेकर फरार हो गए। तलाश के दौरान बक्सा गांव के बाहर जंगल में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्व्वायड ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

पटियाली थाना में दी तहरीर में नरथर निवासी राखी देवी पौरी हरवेंद्र सिंह ने बताया कि उनका मकान गांव के किनारे स्थित है। पांच अक्तूबर की रात परिवार के लोग घर में सो रहे थे। मध्य रात्रि में अज्ञात चोर मकान में घुस आए और कमरे में रखे बक्से से सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी चोरी कर ली। इसी दौरान आहत होने पर उनकी नींद खुल गई। उन्होंने शोर मचाते हुए चोर को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह गाली-गलौज करते हुए बक्सा लेकर भाग गया। जंगल में बक्से का सामान बिखरा मिला। प्रभारी निरीक्षक अजयवीर सिंह ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। डॉग स्व्वायड ने भी आसपास जांच की है। पुलिस घटना के खुलासे के प्रयास में जुटी है।

ट्रेन से उतरते समय सिंचाई विभाग के बाबू का पैर फिसला
कासगंज। सहावर थाना क्षेत्र के गांव परतापपुर निवासी सिंचाई विभाग के बाबू मंगलवार सुबह ट्रेन से उतरते समय हादसे का शिकार हो गए। गंभीर रूप से घायल सुधीर कुमार (30) पुत्र राधेश्याम को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक सुधीर कुमार कासगंज स्थित सिंचाई विभाग में बाबू के पद पर कार्यरत हैं। मंगलवार सुबह वह फरुखाबाद से आने वाली ट्रेन से इयूटी के लिए कासगंज आ रहे थे। ट्रेन के कासगंज रेलवे स्टेशन पहुंचने पर काफी भीड़ थी। इसी दौरान ट्रेन से उतरते समय अचानक उनका पैर फिसल गया और उनका पैर ट्रेन के डिब्बे की सीढ़ी तथा प्लेटफॉर्म के बीच आ गया। हादसे में सुधीर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में अफरातफरी मच गई। मौके पर मौजूद यात्रियों और जीआरपी पुलिस ने घायल सुधीर को बाहर निकालकर तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया।

■ प्रेक्षक अभिषेक प्रकाश ने आगरा पहुंचकर संभाला कार्यभार

■ निर्वाचन संबंधी शिकायत एवं सुझाव के लिए प्रेक्षक से करें संपर्क

संख्या-04 निर्धारित किया गया है। निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा सुझाव के लिए जनसामान्य प्रेक्षक महोदय को आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र हेतु प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक अभिषेक प्रकाश ने मंगलवार, 06 अक्टूबर 2026 की सायं आगरा जनपद में योगदान कर लिया है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान ने बताया कि प्रेक्षक महोदय का जनपद में प्रवास स्थल सफ़िकट हाउस, कक्ष संख्या-04 निर्धारित किया गया है। निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा सुझाव के लिए जनसामान्य प्रेक्षक महोदय को आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 से संबंधित शिकायत एवं सुझाव सीधे प्रेक्षक महोदय के उपरोक्त संपर्क नंबरों पर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।



बोला। उन्होंने किसानों की तीन प्रमुख ज्वलंत समस्याएं उठाईं। फसल बुवाई के समय डीएपी खाद और बीज की भारी किल्लत है। किसान लंबी-लंबी लाइनों में लगने को मजबूर हैं। बलदेव क्षेत्र में निजी नलकूपों के ट्रांसफॉर्मर आए दिन चोरी हो रहे हैं, लेकिन पुलिस-प्रशासन कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर रहा। अंश निर्धारण की जटिल प्रक्रिया के कारण किसानों की फार्मर आईडी नहीं बन पा रही, जिससे वे सरकारी योजनाओं से वंचित हैं। कार्यक्रम के दौरान तहसीलदार महावन और थानाध्यक्ष बलदेव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। किसान नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के जल्द निस्तारण की मांग की। गजेंद्र सिंह परिहार ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं हुआ तो भाकियू एक बड़े जनव्यापी आंदोलन की शुरुआत करेगी, जिसकी जिम्मेदारी स्थानीय शासन-प्रशासन की होगी। जयंती के अवसर पर तहसील

दशहरा पर्व पर किसानों को मिलेगा कृषि यंत्रों का उपहार

7 से 20 अक्टूबर तक ऑनलाइन बुकिंग

○ **टीएनएफ टुडे, हाथरस।**

जिले के किसानों के लिए कृषि विभाग ने दशहरा पर्व पर कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने का सुनहरा अवसर दिया है। वर्ष 2026-27 में नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के तहत किसानों को विभिन्न कृषि यंत्र एवं उपकरण अनुदान पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

उप कृषि निदेशक हाथरस के अनुसार, अवशेष कृषि यंत्रों तथा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्राॅप रेजिड्यू के अंतर्गत कृषि यंत्रों एवं कृषि रक्षा उपकरणों पर अनुदान के लिए ऑनलाइन बुकिंग 7 अक्टूबर

2026 को दोपहर 12 बजे से 20 अक्टूबर 2026 की रात 12 बजे तक की जाएगी। योजना के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक, किसान ड्रोन एवं अन्य एकल कृषि यंत्र तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए एकल कृषि यंत्र एवं कस्टम हायरिंग सेंटर शामिल हैं। कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए परियोजना लागत 10 लाख रू. तक तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर की परियोजना लागत 30 लाख रू. तक निर्धारित है।

कृषि यंत्रों की बुकिंग एवं आवेदन कृषि विभाग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन की जाएगी। किसान विभागीय पोर्टल के किसान कॉर्नर के अंतर्गत भी यंत्र

बुकिंग की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

विभाग के अनुसार, आवेदनकर्ता अपने मोबाइल नंबर अथवा परिवार के सदस्य के मोबाइल नंबर से आवेदन कर सकेगा। 10,001 रू. से 1 लाख रू. तक के अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए 2,500 रू. तथा 1 लाख रू. से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए 5,000 रू. की जमानत धनराशि निर्धारित की गई है।

कृषि विभाग ने इच्छुक किसानों से निर्धारित अवधि में ऑनलाइन बुकिंग कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए किसान उप कृषि निदेशक कार्यालय, हाथरस से संपर्क कर सकते हैं।

वित्तीय जागरूकता और सुरक्षा अभियान का आयोजन

फतेहाबाद। मंगलवार को राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय फतेहाबाद में प्रशासनिक प्रचार्य डॉ. चंद्रपाल के मार्गदर्शन एवं छात्र कल्याण समिति के तत्वाधान में डॉ. आशुतोष कुमार द्वारा छात्र छात्राओं हेतु वित्तीय जागरूकता और सुरक्षा अभियान का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में आमंत्रित सेबी रिसोर्स पर्सन प्रवीन अग्रवाल के द्वारा छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय धोचालों से बचाव, पूंजी बाजार की बुनियादी अवधारणा, सुरक्षित निवेश के मूल सिद्धांत, मुद्रास्फीति, बचत बनाम निवेश आदि विषयों पर जानकारी प्रदान की गई एवं जागरूक किया गया। महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं ने उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रो. अरुणा त्रिपाठी, तेजेंद्र सिंह यादव, डॉ धनवीर चंचल, डॉ नेत्रपाल सिंह, डॉ ब्रिजेंद्र सिंह, डॉ प्रियंका, डॉ वंदना शर्मा, डॉ राज धारी यादव सहित समस्त प्राध्यापक, कर्मचारीगण, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

हाई रिस्क गांवों में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, संचारी रोगों से बचाव को किया जागरूक

फिरोजाबाद। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से हाई रिस्क गांवों में निगरानी और जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। मंगलवार को सीएचसी कोटला के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष ने विकासखंड क्षेत्र के हाई रिस्क ग्राम गलालगढी और नया बांस का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण गतिविधियों, बुखार, सर्दिया, आश्व व एप्पनएम के गृह भ्रमण, रोगियों की पहचान तथा संदिग्ध मामलों की सूचना की रिथति की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को घर-घर जाकर बुखार से पीड़ित लोगों की पहचान करने और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस व एक्वट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम सहित अन्य संचारी रोगों के संभावित मरीजों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। डॉ. आशुतोष ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए कहा कि घरों और आसपास जलमयार न होने दें तथा कूलर, टंकी और अन्य जल पात्रों की नियमित सफाई करें। मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी और अन्य सुरक्षा उपाय अपनाएं। बुखार या किसी अन्य बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने, खुले में कूड़ा न फेंकने और नालियों की नियमित सफाई करने के लिए प्रेरित किया। सीएमओ ने जनप्रदायियों से अपील की कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए अभियान में सक्रिय सहभागिता करें।

किसान मसीहा बाबा महेन्द्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती मनाई

○ **टीएनएफ टुडे, मथुरा।**

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के संस्थापक और किसानों के मसीहा बाबा महात्मा महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती मंगलवार को बरोली (बलदेव, मथुरा) स्थित प्रदेश प्रवक्ता कार्यालय पर बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दौरान भाकियू पदाधिकारियों और स्थानीय किसानों ने बाबा टिकैत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए आदर्शों पर चलने तथा किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन भाकियू उ.प्र. के प्रदेश मीडिया प्रभारी ललित शर्मा ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए भाकियू के प्रदेश प्रवक्ता उ.प्र. व प्रभारी (म.प्र.) गजेंद्र सिंह परिहार ने केंद्र व प्रदेश सरकार की किसान विरोधी नीतियों पर तीखा हमला

गोली मारकर घायल करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

कासगंज। सोरों कोतवाली क्षेत्र के ब्रह्मपुरी गांव में युवक को गोली मारकर घायल करने के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे घटना में प्रयोग किया गया तमंचा व खोखा कारतूस बरामद किया है। सोरों कोतवाली प्रभारी निरीक्षक लोकेश भाटी ने बताया कि गत दिवस ब्रह्मपुरी गांव में एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया था। मामले में पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने वांछित आरोपी अमित उर्फ पोपला पुत्र मुकेश उर्फ पप्पू निवासी ब्रह्मपुरी सोरों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त किया गया तमंचा, खोखा कारतूस भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

जुआ के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

कासगंज। सोरों कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र से जुआ के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सोरों कोतवाली प्रभारी निरीक्षक लोकेश भाटी ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को जुआ के मामले में अतिवीर पुत्र गोविन्दराम, धर्मेंद्र पुत्र जगदीश, प्रवीन कुमार पुत्र राजपाल, विशाल पुत्र राजेन्द्र निवासीगण चण्डीस थाना सोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे व फंड से 1150 रुपये की नकदी, ताश पत्ते बरामद किए हैं। आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई की है।

दुराचार का वांछित आरोपी गिरफ्तार

कासगंज। थाना सिकन्दरपुर वैश्य में दर्ज दुराचार के मामले में अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार ने बताया कि गत दिनों थाना सिकन्दरपुर वैश्य में दुराचार के मामले में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। इस्पेक्टर ने बताया कि थाना पुलिस ने घटना में वांछित आरोपी अतुल कुमार पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी रनैदी थाना सिकन्दरपुर वैश्य को सोमवार की देर उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की है।

मारपीट के मामले में पिता-पुत्र समेच चार आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

कासगंज। सोरों कोतवाली क्षेत्र में सोमवार की रात करीब आठ बजे दो युवकों से हुई मारपीट के मामले में पिता-पुत्र समेत चार आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट में शिवा दुबे पुत्र चुन्नी लाल दुबे निवासी मौबल्ला मुदिगिलान सोरों ने बताया है कि गत पांच अक्तूबर की रात करीब आठ बजे वह अपने साथी यश वैधरी के साथ वरकुला रोड पर जा रहा था, तभी रामसेवक, उसके बेटे रवींद्र व दो अन्य लोगों ने उन्हें बातचीत करने के लिए रोका। इसके बाद गाली गलौज व मारपीट करने लगे। जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दीवार फांदकर घर में घुसे चोर, नकदी-जेवर किए पार

कासगंज। पटियाली थाना क्षेत्र के नगला चक गांव में रात चोर दीवार फांदकर एक घर में घुस गए। चोर कमरे में रखी करीब 15 हजार रुपये की नकदी और चांदी की पाजेब चोरी कर ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजनों में खलबली मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। नगला चक गांव निवासी श्यामलाल पुत्र छेदालाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने परिजनों के साथ घर के आंगन में सो रहे थे। सुबह जब सभी लोग उठे तो घर के दोनों कमरों के दरवाजे खुले मिले। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी लेने पर करीब 15 हजार रुपये की नकदी और चांदी की पाजेब गायब मिली। यामलाल के मुताबिक चोर दीवार फांदकर घर में दाखिल हुए और कमरों में रखी नकदी व जेवर चोरी कर ले गए। इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। पटियाली थाना प्रभारी निरीक्षक अजयवीर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

61वीं यूपी स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स में फिरोजाबाद का जलवा
फिरोजाबाद। लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में चल रही 61वीं उतर प्रदेश स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 के तीसरे दिन फिरोजाबाद के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन से जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन में उत्साह का माहौल है। अंडर-16 बालक वर्ग की हाई जंप में गुलशन कुमार ने 1.81 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। अंडर-18 में प्रियांशु ने 110 मीटर हर्डल्स में रजत पदक हासिल किया। अंडर-20 बालिका वर्ग में मनोरमा सिकरवार ने 400 मीटर हर्डल्स में 1:04 मिनट का समय निकालकर रजत पदक जीता। वह इससे पहले 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक भी हासिल कर चुकी हैं। अंडर-16 बालिका वर्ग की हाई जंप में खुशी यादव ने 1.43 मीटर की छलांग लगाकर रजत, जबकि अंडर-16 बालक वर्ग की लॉन्ग जंप में सबन कुमार ने 4.70 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता। इसके अलावा अंडर-18 बालक वर्ग के हेट्राथलोन में वेंदाश सिंह ने छठा स्थान प्राप्त किया। अंडर-20 बालिका वर्ग के हैमर थ्रो में डॉली चौधे और अंडर-18 बालक वर्ग की लॉन्ग जंप में ध्रुव गुर्जर 6.77 मीटर की छलांग के साथ चौथे स्थान पर रहे। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव श्यामवीर ने बताया कि मंगलवार दोपहर 12 बजे तक की स्पर्धाओं में ये उपलब्धियां मिली हैं। कई महत्वपूर्ण मुकाबले अभी बाकी हैं और अन्य खिलाड़ी फाइनल राउंड में चुनौती पेश कर रहे हैं। ऐसे में पदकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। खिलाड़ियों की सफलता पर एसोसिएशन अध्यक्ष श्यामपाल सिंह, प्रबंधक श्रीराम कुशवाहा, उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, हेमंत राजपूत, जॉईंट सेक्रेटरी बृजेश राजपूत, कोषाध्यक्ष रूबी राजपूत और प्रेम प्रकाश कुशवाहा समेत पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों व कोचों को बधाई दी। अध्यक्ष श्यामपाल सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम अब प्रदेश स्तर पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों से इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया।

पाराली जलाने पर लगेगा 30 हजार रुपये तक जुमाना, डीएम ने दिए सख्ती के निर्देश

फिरोजाबाद। फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय गोष्ठी आयोजित की गई। डीएम ने धान की कटाई शुरू होने से पहले तहसील और ब्लॉक स्तर पर टास्क फोर्स सक्रिय करने के निर्देश दिए, ताकि पाराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर ग्राम एवं धरती माता बचाओ समितियों की बैठकें कराकर किसानों को पाराली जलाने से होने वाले नुकसान और उसके उचित प्रबंधन की जानकारी दी जाए। सभी बीडीओ को एक सप्ताह के भीतर ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में पाराली प्रबंधन संबंधी बैठकें कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पाराली का उपयोग गोशालाओं में पशु बिछवन, पशु चारे और कंपोस्ट के रूप में किया जा सकता है। साथ ही कार्ययोजना तैयार कर सीबीजी प्लांट में पाराली की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। एसडीएम अपने निर्देशन में प्रवर्तन की कार्रवाई भी सुनिश्चित करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने कहा कि प्रत्येक कंबाइन हार्वेस्टर के साथ सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम और बेलिंग मशीन का संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में कूड़ा जलाने की घटनाओं को भी शून्य रखने के निर्देश दिए। उप कृषि निदेशक एसपी सिंह ने बताया कि फसल अवशेष जलाने पर शासन की ओर से अर्थदंड का प्रावधान है। दो एकड़ से कम भूमि वाले किसान पर 5,000 रुपये, दो से पांच एकड़ तक 15,000 रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसान पर 30,000 रुपये प्रति घटना का जुमाना लगाया जा सकता है। अर्थदंड की वसूली संबंधित तहसील के माध्यम से की जाएगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन के माध्यम से किसानों को पाराली न जलाने और उसके उचित प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। गोष्ठी में एडीएम वित्त एवं राजस्व कल्याण जायसवाल, एसडीएम जरसराज ऋषभ पुंडीर, उपायुक्त एनआरएलएम तृलक्ष श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी सुमित चौहान, भूमि संरक्षण अधिकारी प्रमोद कुमार, जिला उद्योग अधिकारी चंद प्रकाश अवस्थी, सभी बीडीओ, कृषक उत्पादक समूहों के प्रतिनिधि, कंबाइन हार्वेस्टर संचालक और प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज का मव्य समापन

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और मीडिया कर्मियों का हुआ सम्मान

○ टीएनएफ टुडे, हाथरस।

115वें लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज का भव्य समापन समारोह मंगलवार को मेला पंडाल में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय, विधायक सदर अंजुला सिंह माहौर, विधायक सिकंदराराऊ वीरेंद्र सिंह राणा सहित जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा, मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित समेत प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ। रामचन्द्र कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। हरचरनदास गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने लोकनृत्य और पंजाबी गीत-भंगड़ा की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिस पर पूरा मेला पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। सुजोबाई गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने ब्रज गीतों के साथ ह्र्दास्प पणिया कैसे जाऊँह और ह्दसिले देव्यू नैनहू पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर ब्रज संस्कृति और भारतीय सांस्कृतिक विरासत की छटा बिखेरी।

मेले की सफलता सामूहिक सहयोग का परिणाम: सांसद



सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि ने कहा कि दाऊजी महाराज का ऐतिहासिक एवं पौराणिक मेला हाथरस की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मेले का सफल आयोजन प्रशासन, पुलिस, जनप्रतिनिधियों, आयोजकों, कलाकारों, व्यापारियों, मीडिया और आमजन के सामूहिक सहयोग का परिणाम है।

उन्होंने मेले के दौरान सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया और कहा कि 17 सितंबर से 6 अक्टूबर तक चले आयोजन में किसी अप्रिय घटना अथवा जनहानि का न होना प्रशासन की सजगता और सभी के सहयोग का परिणाम है।

मीडिया ने मेले की विशेषताओं को दूर तक पहुंचाया: विधायक

सिकंदराराऊ वीरेंद्र सिंह

राणा ने कहा कि दाऊजी महाराज का मेला धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने मेले में विभिन्न समाजों एवं वर्गों द्वारा लगाए गए शिविरों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने मीडिया बंधुओं का आभार जताते हुए कहा कि मीडिया के माध्यम से मेले की विशेषताओं को प्रदेश और दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाया गया।

डीएम ने आगामी वर्षों में और बेहतर आयोजन का संकल्प लिया

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल ने कहा कि मेले की सफलता जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस, नगर निकाय, विभिन्न विभागों, आयोजकों, कलाकारों, पत्रकारों, सफाई कर्मचारियों और आमजन के सामूहिक सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मेले की

जिला पंचायत अध्यक्ष ने डीएम के प्रयासों को सराहा

जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय ने मेले को राजकीय एवं लक्खी मेले का स्वरूप प्रदान करने में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश पटेल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विधायक सदर अंजुला सिंह माहौर द्वारा मेले को भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए शासन स्तर तक जनता की मांग पहुंचाने की भी प्रशंसा की। उन्होंने भजन संध्या, धर्म सम्मेलन, लाफ्टर शो, दंगल, वाद-विवाद प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रमों में लोगों की उत्साहपूर्ण सहभागिता का उल्लेख करते हुए प्रशासन, पुलिस, अधिकारियों-कर्मचारियों, पत्रकारों, कलाकारों और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

मेला हाथरस की आस्था और गौरव की पहचान: विधायक सदर

विधायक सदर अंजुला सिंह माहौर ने कहा कि दाऊजी महाराज का मेला हाथरस की आस्था, पहचान और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख उत्सव है। 115 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहा यह मेला लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। उन्होंने जिला प्रशासन और अधिकारियों की मेहनत एवं बेहतर प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

व्यवस्थाओं में सामने आई कमियों का दस्तावेजीकरण कर आगामी वर्षों में उनमें सुधार किया जाएगा। उन्होंने दाऊजी महाराज मेले को हाथरस की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के रूप में संरक्षित एवं प्रचारित करने तथा भविष्य में इसे और अधिक भव्य, सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं जनसहभागिता पूर्ण बनाने का संकल्प व्यक्त किया। स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

समापन समारोह के अंत में मेले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजकों, अधिकारियों-कर्मचारियों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों, एंकर तथा अन्य सहयोगियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अधिकारी, संचालनकर्ता सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नियमित मानदेय और सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग, आशा कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन



○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

आशा कार्यकर्ताओं और संगिनियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने नियमित मानदेय दिए जाने के साथ ही उन्हें राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग उठाई।

ज्ञापन में कहा गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आशा कार्यकर्ता ग्रामीण और तहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रही हैं।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने, टीकाकरण, महामारी नियंत्रण, संचारी रोगों की रोकथाम और सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को घर-घर पहुंचाने में आशा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके बावजूद उन्हें स्वयंसेवक मानकर कम मानदेय और प्रोत्साहन राशि दी जा रही है, जो वर्तमान महंगाई में परिवार के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त नहीं है।

आशा कार्यकर्ताओं ने मांग की कि सभी आशा कार्यकर्ताओं और



संगिनियों को स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत स्थायी करते हुए राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। जब तक यह व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक निश्चित और नियमित मानदेय सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा के तहत ईपीएफ और कम से कम बीमा कवर उपलब्ध कराने की मांग भी की गई।

कार्यकर्ताओं ने पदोन्नति की व्यवस्था लागू करने और आशा कार्यकर्ताओं को आगे एएनएम जैसे पदों पर पदोन्नति का अवसर

श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर में 180 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण

आंख, दांत, रक्त जांच के साथ टीकाकरण और आयुष्मान कार्ड की सुविधा

○ टीएनएफ टुडे, हाथरस।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रम विभाग द्वारा निमाणांधोन जनपद न्यायालय परिसर में मंगलवार को श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सदर विधायक एवं महिला एवं बाल विकास संबंधी संयुक्त समिति की सभापति श्रीमती अंजुला सिंह माहौर ने फीता काटकर किया।

शिविर में औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं निर्माण कार्यों में लगे 180 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की टीम ने श्रमिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराईं। 30 श्रमिकों की आंखों की जांच कर दूर दृष्टि के चश्मे दिए गए, जबकि 34 श्रमिकों को टिटनेस के टीके लगाए गए। 15 श्रमिकों के दांतों की जांच कर आवश्यक उपचार एवं दवाएं उपलब्ध कराई गईं। वहीं 40 श्रमिकों की रक्त जांच की गई तथा 8 श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिविर में श्रम विभाग एवं उत्तर



प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं की जानकारी भी श्रमिकों को दी गई। मौके पर 13 श्रमिकों का नवीन पंजीकरण किया गया। अधिकारियों ने श्रमिकों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए जागरूक किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पीएन दीक्षित, श्रम प्रवर्तन अधिकारी सत्येंद्र कुमार मिश्रा, दिनेश कुमार सहित

संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

07 अक्टूबर को सलेमपुर में लगेगा शिविर

इसी क्रम में 07 अक्टूबर को औद्योगिक आस्थान, सलेमपुर, हाथरस में श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।



पीछ करने या अभद्र टिप्पणी पर चुप न रहें, तुरंत परिजनों या पुलिस को दें सूचना

कासगंज। नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज में मंगलवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कासगंज के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम, एंटी रोमियो टीम और साइबर टीम ने छात्राओं को सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। पुलिस टीम ने छात्राओं को बताया कि यदि कोई व्यक्ति उनका पीछा करता है, अभद्र टिप्पणी करता है या गलत तरीके से स्पर्श करने का प्रयास करता है तो ऐसी घटनाओं को छिपाएं नहीं। तत्काल इसकी जानकारी माता-पिता अथवा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका को दें। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को भी सूचना दें। पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए उपलब्ध महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। साइबर अपराध से बचाव के लिए छात्राओं को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई। बताया गया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी निजी अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। किसी की भी मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी न बताएं। अज्ञात व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई ऐप डाउनलोड या इंस्टॉल न करें। संदिग्ध कॉल, मैसेज या लिंक पर बिना सत्यापन के प्रतिक्रिया देने से भी बचें। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला अधिकारों, सुरक्षा उपायों और साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जरूरी जानकारी देकर जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं से किसी भी परेशानी की स्थिति में बिना डर और संकोच के पुलिस की मदद लेने की अपील की।

स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न



कासगंज। विधानसभा कासगंज में स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा जिला कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में विधानसभा प्रभारी, स्नातक एमएलसी चुनाव कासगंज एवं जिला महामंत्री संजय सोलंकी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे स्नातक एमएलसी चुनाव में पूरी सक्रियता एवं समर्पण के साथ कार्य करें तथा संगठन की मजबूत तैयारी के साथ विजय सुनिश्चित करने के लिए जुट जाएं। बैठक का संचालन विधानसभा संयोजक, एमएलसी स्नातक डॉ. मनोज शर्मा ने किया। इस दौरान आगामी चुनाव की रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों तथा मतदाताओं से संपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधायक हरिओम वर्मा, आकाश दीप रानू, के.पी. सिंह, अजय शर्मा, हिमांशु उपाध्याय, मनोज मधुवन, अजय राना, मनीष शर्मा, श्यामू यादव, आशुतोष शर्मा, राहुल सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 50 छात्राओं का कराया गया शैक्षणिक भ्रमण



कासगंज। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत गठित हूपर्यटन क्लबह्व के 50 सदस्यों का एक दिवसीय स्थानीय भ्रमण कराया गया। इसी क्रम में जनपद कासगंज के पर्यटन क्लब के विद्यार्थियों के मध्य प्रतियोगिता कराते हुए चयनित 50 छात्राओं को कासगंज के सौरों तीर्थ क्षेत्र स्थित मंदिरों, धार्मिक स्थलों, सीताराम मंदिर एवं खाटूश्याम मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। ैक्षणिक भ्रमण को जिलाधिकारी प्रणय सिंह द्वारा फ्लेग ऑफ किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, जिला सूचना अधिकारी मिथलेश कुमार एवं विभाग के संबंधित कर्मचारी तथा अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

गोकशी के मामले में वांछित बाल अपचारी गिरफ्तार

कासगंज। अमापुर थाना पुलिस ने गोकशी के मामले में वांछित एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया है। अमापुर थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना ने बताया कि सीओ सहावर दुर्गाश कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस ने गोकशी के मामले में वांछित बाल अपचारी हिरासत में लिया है। अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बाल अपचारी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया है। जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

पहला टी20: अय्यर ने जड़ा शतक, वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा



○ **एजेंसी, लखनऊ।**

भारत ने श्रेयस अय्यर की शतकीय पारी के दम पर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच को 8 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने 5 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। मंगलवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम 19.1 ओवरों में 171 रन पर सिमट गई। कप्तान शाई होप ने कामिल पूरण के साथ पहले विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी की। कामिल 12 रन बनाकर आउट हुए, जबकि होप ने 37 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों को मदद से 52 रन बनाए। इस बीच होप ने शेरफन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 35 गेंदों में 63 रन जोड़े। होप 37 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 52 रन बनाकर आउट हुए। यहाँ से रदरफोर्ड ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने अकील होसेन के साथ नौवें विकेट के लिए 18 गेंदों में 36 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थित तक पहुंचाया। रदरफोर्ड ने 34 गेंदों में 3 छक्कों और 6 चौकों के साथ 56 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से डेब्यूटेंट नमन धीर ने

सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट निकाले। इनके अलावा, अर्शदीप सिंह और मयंक यादव को 1-1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में भारत ने 14.4 ओवरों में जीत हासिल कर ली। संजू सैमसन ने अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 15 गेंदों में 29 रन जुटाए। अभिषेक 21 रन बनाकर आउट हुए, जिसके कुछ देर बाद संजू (11) भी पवेलियन लौट गए।

मेजबान टीम ने 35 के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ईशान किशन ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 गेंदों में 137 रन की साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। किशन 27 गेंदों में 5 चौकों के साथ 37 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि अय्यर ने 43 गेंदों में 102 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 6 छक्के और 10 चौके शामिल रहे। वेस्टइंडीज की तरफ से अकील होसेन और रोरटन चेज को 1-1 सफलता हाथ लगी।

वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम करने के बाद टीम इंडिया की निगाहें टी20 सीरीज पर हैं, जिसके अगले मुकाबले 9, 11, 14 और 17 अक्टूबर को खेले जाने हैं।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टी20 टीम घोषित, 4 साल बाद भुवनेश्वर की वापसी

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए भारत और इंडिया-ए की टीमों का ऐलान कर दिया है। टीम इंडिया मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 मैच खेलेगी, जबकि इंडिया-ए टीम न्यूजीलैंड-ए के विरुद्ध तीन मल्टी-डे मैच खेलेगी। वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए टीम का ऐलान बाद में किया जाएगा। टी20 सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर की कप्तानी में वैभव सूर्यवंशी को चुना गया है, जबकि तिलक वर्मा उप-कप्तानी की भूमिका संभालेंगे। स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम से झूंप कर दिया गया है। 36 वर्षीय भुवनेश्वर कुमार ने टी20 टीम में वापसी की है। उन्होंने इस फॉर्मेट में अपना पिछला मैच नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड की सरजमीं पर ही खेला था। भुवी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए दो शानदार आईपीएल सीजन खेलेने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की है। इस तेज गेंदबाज को हाल ही में हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था, लेकिन टी20 टीम में शामिल होने के कारण वह इस टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे। भुवनेश्वर की वापसी के अलावा, एक और अहम बदलाव करण चक्रवर्ती का शामिल होना है, जो साइड स्ट्रेन से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 के बाद बाहर होना पड़ा था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी टीम में शामिल नहीं हैं, क्योंकि उनसे वनडे और टेस्ट सीरीज में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। दोनों टीमों के बीच 22 अक्टूबर को काइस्टचर्व में टी20 सीरीज का पहला मैच खेलेगी, जिसके बाद 24 अक्टूबर को अमला मैच उसी वेन्यू पर आयोजित होगा। इसके बाद टीम 27 अक्टूबर को तीसरे टी20 के लिए वेलिंगटन जाएंगी और फिर 30 अक्टूबर को ऑकलैंड और 1 नवंबर को हैमिल्टन में मैच खेले जाएंगे।

भारत की टी20 टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, शिवम दुदे, नितेश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

इस बीच, चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ तीन मल्टी-डे मैचों के लिए 15 सदस्यीय इंडिया-ए टीम भी चुनी है। इससे कई खिलाड़ियों को ऐसी परिस्थितियों में रेड-बॉल क्रिकेट का अनुभव मिलेगा, जिनका सामना उन्हें टेस्ट सीरीज के दौरान करना पड़ सकता है। ध्रुव जुरेल को कप्तान बनाया गया है, जबकि ऋषभ पंत की उपलब्धता उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी।

तू है मेरी किरण ट्रेलर: जहीर इकबाल ने तबाह कर दी सोनाक्षी की जिंदगी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल जल्द ही पर्दे पर साथ काम करने नजर आएंगे। फिल्म का नाम है- 'तू है मेरी किरण'। यह एक रोमांटिक-साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। जहीर इकबाल एक जुनुनी आशिक के रोल में नजर आए हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है।

जहीर इकबाल ने तबाह की सोनाक्षी की जिंदगी

फिल्म 'तू है मेरी किरण' का ट्रेलर सस्पेंस और थ्रिल से भरा है। कहानी प्यार-मोहब्बत वाली है, मगर यह प्यार एकतरफा है। एक तरफा प्यार, दूसरे के लिए आफत बनता है। कुछ ऐसा ही इस ट्रेलर में देखने को मिला है। जहीर इकबार सनकी आशिक के रोल में हैं। सोनाक्षी सिन्हा को वो इस कदर परेशान कर देते हैं कि वह अकेले छोड़ देने की गुजारिश करती हैं।

सोनाक्षी ने मांगी अकेलेपन की 'भिक्षा'

ट्रेलर में जहीर इकबाल सोनाक्षी से कहते हैं, 'तुम जैसी लड़की के लिए मुझ जैसे लड़के के लिए प्यार करना बहुत मुश्किल है।' दोनों में जान-पहचान होती है। बातें होती



हैं। एक दिन जहीर का किरदार प्रपोज कर देता है और कहता है, 'आई लव यू किरण'। सोनाक्षी का किरदार चौंकता है और हद में रहने को कहता है। जहीर का जवाब होता है, 'अगर यह एकतरफा प्यार हुआ तो दिल टूट जाएगा मेरा। तुम्हें भी मुझसे प्यार करना होगा किरण'।

कब रिलीज होगी 'तू है मेरी किरण'

जुनुनी आशिक से तंग आकर सोनाक्षी कहती हैं, 'तुम्हें जो

जान्हवी कपूर: ‘सोच ही नहीं परवरिश भी बदलनी होगी’

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपनी और जुनियर एनटीआर की 2024 की फिल्म 'देवरा' के गाने 'चुछामल्ले' के एआई-मोंपर्ड वीडियो पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इस वीडियो पर काफी विवाद हो रहा था। जान्हवी ने इस मामले पर अपना बयान इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया है। उन्होंने महिलाओं को वस्तु की तरह पेश करने के लिए टेक्नोलॉजी के गलत इस्तेमाल की निंदा की है।

क्या बोलीं अभिनेत्री?

अभिनेत्री ने अपना बयान जारी करते हुए पोस्ट में लिखा 'तकनीक का गलत इस्तेमाल करके महिलाओं को वस्तु की तरह पेश करना और उनकी सहमति के बिना कार्यात्मिक या छेड़छाड़ किए गए कंटेंट को प्रसारित करना बेहद पीड़ादायक है। यह यौन उत्पीड़न के करीब है। मेरे फिल्म उद्योग में लगभग हर महिला ने किसी न किसी रूप में इसका सामना किया है। यही नहीं, दुनिया भर में महिलाओं को तेजी से इस तरह के दुर्व्यवहार का शिकार बनाया जा रहा है।

सहमति को लेकर क्या बोलीं अभिनेत्री?

हरमनप्रीत ने दिया झटका: छोड़ी तीनों फॉर्मेट की कप्तानी



○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने मंगलवार को भारतीय टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ने का ए्लान किया। हरमनप्रीत ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए कहा कि यह फैसला उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन अब वह बतौर खिलाड़ी आगे बढ़ना चाहती हैं। हरमनप्रीत ने अपने संदेश में लिखा, 'आज मैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ रही हूँ। यह आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल जुड़े हैं, जो जिंदगी भर मेरे साथ रहेंगे।'

कप्तानी में हरमनप्रीत का लंबा सफर

37 वर्षीय हरमनप्रीत ने पांच टेस्ट, 51 वनडे और 155 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत की कप्तानी की है। कप्तान के रूप में उनका आखिरी काम पिछले महीने निशिन में भारतीय टीम को लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक दिलाना रहा।

फैसले से एक दिन पहले हुई अहम बैठक

हार से लेकर विश्व कप जीत तक सब देखा

हरमनप्रीत ने भारतीय टीम के साथ अपने सफर के उतार-चढ़ाव को याद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने निराशा, दिल टूटने, आलोचना और मुश्किल दौर देखे, लेकिन इसके साथ जीत, जश्न और देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व भी महसूस किया। उन्होंने लिखा, 'मैंने सबसे बुरे दौर, दिल टूटने, आलोचना और संदेह देखे हैं। मैंने सबसे ऊंचे पल भी देखे हैं, जीत, जश्न और देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व।' विश्व कप जीत के बाद कप्तानी छोड़ने का उनका फैसला इसलिए भी खास है क्योंकि वह अब टीम को सही दिशा में मान रही हैं।

'मैंने अपनी झूट्टी पूरी कर दी'

हरमनप्रीत ने कहा कि वह कप्तानी छोड़ते समय भावुक हैं, लेकिन उनके मन में शांति है। उन्हें भरोसा है कि भारतीय टीम के पास प्रतिभा, चरित्र और भविष्य के लिए मजबूत आधार मौजूद है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने अपनी झूट्टी पूरी कर दी है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। मैंने इस जिम्मेदारी को गर्व के साथ निभाया और भारतीय महिला क्रिकेट की अगुआई करने के विशेषाधिकार के लिए हमेशा आभारी रहूंगी।'

कप्तानी खत्म, सफर जारी

हरमनप्रीत ने साफ किया कि कप्तानी छोड़ने का मतलब क्रिकेट से दूरी बनाना नहीं है। उन्होंने कहा कि अब वह खेल को एक अलग नजरिए से जीना चाहती हैं। उनका संदेश था, 'कप्तानी आज खत्म हो रही है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी खत्म नहीं होगा। अब मैं फिर से खेल के प्यार के लिए खेलने को तैयार हूँ।' उन्होंने अपने साथियों, कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन, बीसीसीआई, परिवार और प्रशंसकों का भी धन्यवाद किया। अपने संदेश का अंत उन्होंने इन शब्दों से किया- 'खुन। पसीना। त्याग। गर्व। मैंने अपना सब कुछ दे दिया। अब सफर जारी है।'

हरमनप्रीत के कप्तानी छोड़ने का फैसला उस बैठक के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने भारतीय टीम को उपकप्तान स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार के साथ बीसीसीआई सचिव देवजीत सैंकिया से मुलाकात की थी। गुवाहाटी में हुई इस बैठक में भारतीय महिला टीम के आगे के रोडमैप को लेकर चर्चा हुई थी।

टीम के लिए खुद को महत्वाकांक्षीय पीछे रखीं

हरमनप्रीत ने कहा कि उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट और टीम के लिए अपना सब कुछ दिया। कई मौकों पर उन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन, विकास और निजी महत्वाकांक्षाओं को भी टीम के हित में पीछे रखा। उन्होंने लिखा, 'मैंने इस टीम और भारतीय महिला क्रिकेट को अपना खुन, पसीना और समय दिया है। कई बार अपने खेल और निजी महत्वाकांक्षाओं का एक हिस्सा भी पीछे रखा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम सबसे पहले है।'

कप्तान के तौर पर लिए गए फैसलों को लेकर होने वाली आलोचनाओं का भी उन्होंने जिक्र किया। हरमनप्रीत ने कहा कि कई फैसले मुश्किल थे और हमेशा समझे नहीं गए, लेकिन उनका एक ही उद्देश्य था- टीम को बेहतर बनाना और दूसरी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देना।

बॉक्स ऑफिस: ‘दृश्यम 3’ ने पांच ही दिन में पार किया 200 करोड़ का आंकड़ा

इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी फिल्में अपना दबदबा जमाने की कोशिश कर रही हैं। 2 अक्तूबर को रिलीज हुई 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। वहीं जानिए फिल्म 'द वन' के क्या हाल हैं।

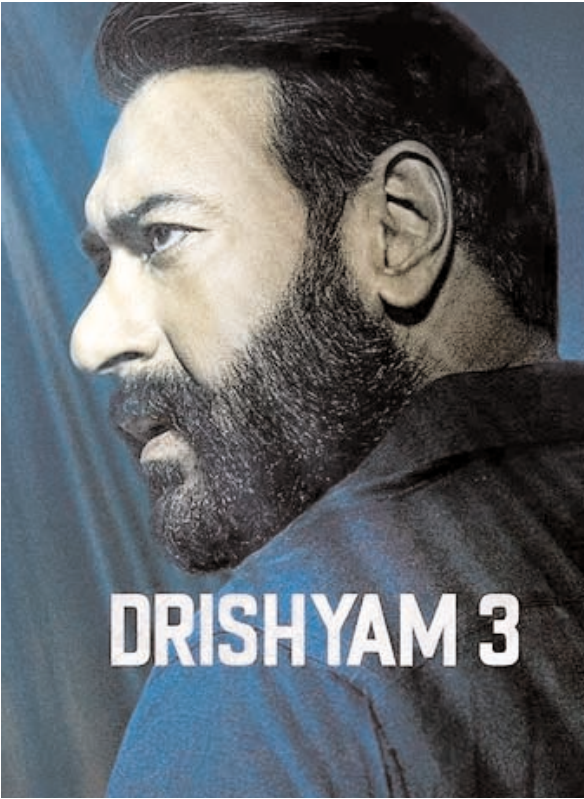
200 करोड़ के पार 'दृश्यम 3'

अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर धुआधार शुरूआत की है। फिल्म ने वीकएंड का भी जमकर फायदा उठाया। पहले दिन इस फिल्म ने 62 करोड़, दूसरे दिन 53.50, तीसरे दिन 61 करोड़, तो वहीं चौथे दिन 21 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म ने रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। आज मंगलवार को इसने खबर लिखे जाने तक 12.47 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 209.97 करोड़ हो गया है। फिल्म ने महज 5 दिनों में ही 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

'द वन' की गिरी कमाई

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'द वन' 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को रिलीज हुए 12 दिन हो चुके हैं।

केवल 12 ही दिनों में इस फिल्म की कमाई उंडे बस्ते में जा चुकी है। फिल्म अब लाखों में कमाई कर रही है। आज मंगलवार को इसने खबर लिखे जाने तक 93 लाख की कमाई की है। इसके साथ इसका टोटल कलेक्शन



63.98 करोड़ हो गया है।

इन फिल्मों से है टक्कर

ये दोनों ही फिल्में हाल ही में रिलीज हुई हैं। इनके साथ साउथ स्टार नानी की फिल्म पैराडाइज भी रिलीज हुई थी,

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का ब्रह्मजार फैस को बेसरी से है। मगर इस फिल्म का गाना 'डैडी कुल' और भी ज्यादा खास होने वाला है। खबर है कि इस गाने में बादशाह के साथ करीना कपूर भी दिखाई देंगी। जानें क्या है नई अपडेट?

'डैडी कुल' में क्या है खास ?

शाहरुख खान और करीना कपूर खान आगामी एक्शन फिल्म 'किंग' के एक महत्वपूर्ण गाने में एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोटर्स के अनुसार करीना ने 'डैडी कुल' नामक इस गाने में विशेष भूमिका निभाने के लिए हाजी मरी है, जिसकी शूटिंग इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में एक भव्य तरीके से होगी।

पहले भी साथ काम कर चुके शाहरुख-करीना
फिल्म 'किंग' का गाना डैडी कुल ऐसा पहला प्रोजेक्ट नहीं है, जिसके लिए शाहरुख और करीना साथ काम कर रहे हो। इससे पहले करीना और शाहरुख 'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम' और 'रा.वन' जैसी बड़ी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा करीना शाहरुख की कई फिल्मों में कैमियो या स्पेशल गाना भी कर चुकी हैं। पिकीविला की रिपोटर्स के मुताबिक

'डैडी कुल' को इस एक्शन फिल्म के मुख्य गानों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। प्रोडक्शन शोड्यूल के अनुसार, करीना को दक्षिण अफ्रीका में शाहरुख के साथ अपने हिस्से की शूटिंग के लिए लगभग पांच दिन दिए गए हैं।

क्रॉस-कल्चरल देखने को मिलेगा

रिपोटर्स के मुताबिक इन दो बॉलीवुड सितारों को एक साथ लाने के अलावा, इस सीक्वेंस में एक बड़ा क्रॉस-कल्चरल सहयोग भी देखने को मिलेगा। इस गाने में एक भारतीय कलाकार एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ नजर आएंगे। प्रोडक्शन टीम ने अभी तक इस अंतरराष्ट्रीय संगीतकार की पहचान गुप्त रखी है।

फिल्म 'किंग' के बारे में

फिल्म किंग 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म से शाहरुख खान की बेटी सुहाना भी बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अभय वर्मा, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, राघव जुयाल और रानी मुखर्जी जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने कहा 'मैं तिरिंजीवी सर, विजय और खुशबू मैम का भी शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ, जिन्होंने इस मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की और घटिया मानसिकता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुझे उम्मीद है कि हमारे आसपास इस समय जो कुछ भी हो रहा है, वह इस तरह के उत्पीड़न में शामिल लोगों को आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करेगा। क्या एक महिला को इतनी-सी मांग भी बहुत ज्यादा है कि उसे सिर्फ एक इंसान की तरह देखा और उसके साथ इंसान जैसा व्यवहार किया जाए? उसका शरीर। उसकी छवि। उसकी सीमाएं। उसका फैसला।'

इन कलाकारों का भी अदा किया शुक्रिया

अभिनेत्री ने कहा 'मैं तिरिंजीवी सर, विजय और खुशबू मैम का भी शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ, जिन्होंने इस मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की और घटिया मानसिकता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुझे उम्मीद है कि हमारे आसपास इस समय जो कुछ भी हो रहा है, वह इस तरह के उत्पीड़न में शामिल लोगों को आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करेगा। क्या एक महिला को इतनी-सी मांग भी बहुत ज्यादा है कि उसे सिर्फ एक इंसान की तरह देखा और उसके साथ इंसान जैसा व्यवहार किया जाए? उसका शरीर। उसकी छवि। उसकी सीमाएं। उसका फैसला।'